Press Note

स्कूल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के पूर्व प्रोफेसर राजकमल सर की स्मृति में, स्कूल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के पूर्व छात्रो द्वारा प्रो. राजकमल मेमोरियल फंड की स्थापना की गई है |

आज दिनांक 09/अक्टूबर/2021 को, प्रोफेसर राजकमल मेमोरियल फंड की स्थापना के लिया स्कूल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी, इंदौर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया| कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर की प्रोफेसर रेणु जैन ने की। इस कार्यक्रम के दौरान दुनिया भर में कार्यरत स्कूल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स के कई पूर्व छात्र व्यक्तिगत रूप से और Google मीट के माध्यम से जुड़े।

प्रो राजकमल मेमोरियल फंड में स्कूल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के पूर्व छात्रो (देश-विदेश से) द्वारा कुल राशी रुपये 13,27,018.24 जमा की गई एवम एकत्रित निधि को अगस्त 2021 को रजिस्ट्रार डीएवीवी खाता संख्या 5300413913 में स्थानांतरित कर दिया गया है। एकत्रित निधि का उपयोग निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किया जाएगा:

1) **प्रोफेसर राज कमल स्वर्ण पदक**: जमा की गई कुल राशि में से 1.5 लाख (डीएवीवी द्वारा अनुशंसित) को मास्टर ऑफ साइंस (एमएससी) / मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम टेक।) छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ छात्र, जो की उस शैक्षणिक वर्ष में इंजीनियरिंग विज्ञान संकाय से उत्तीर्ण हो रहा है को प्रदान किया जाना प्रस्तावित है।

2) शेष बाकी रकम FD के रूप में रजिस्ट्रार डीएवीवी के खाते में जमा किया जाना प्रस्तावित है।

2.1) प्राप्त FD ब्याज राशि का 50% का उपयोग प्रथम वर्ष के इंजीनियरिंग विज्ञान संकाय या विज्ञान संकाय के स्नातकोत्तर **कक्षा** में प्रवेश लिये सर्वश्रेष्ठ छात्र को छात्रवृत्ति के रूप में दिया जाना प्रस्तावित है।

2.2) प्राप्त FD ब्याज राशि का 50% का उपयोग द्रितीय श्रेणी वर्ष के इंजीनियरिंग विज्ञान संकाय या विज्ञान संकाय के स्नातकोत्तर **कक्षा** के सर्वश्रेष्ठ छात्र को छात्रवृत्ति के रूप में दिया जाना प्रस्तावित है।

प्रोफेसर रेणु जैन ने प्रोफेसर राजकमल की याद में एक एक्सपर्ट लेक्चरसीरीज रखने की भी सहमति दी और फण्ड को ओपन रखने की बात कही ताकि भविष्य में और अलुमनी इस कोशिश से जुड़ सके। श्री दीपक मित्तल ने कार्यक्रम के दौरान स्कूल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स के पूर्व छात्रों का प्रतिनिधित्व किया।

इस कार्यक्रम का संचालन स्कूल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स के पूर्व छात्र डॉ वैभव नीमा और डॉ संतोष विश्वकर्मा ने किया।

धन्यवाद ज्ञापन स्कूल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स के फैकल्टी सदस्य कीर्ति पवार ने किया।